3 साल में ₹3 लाख करोड़ का करेंगे निर्यातः सिद्धार्थनाथ

■ एनबीटी ब्यूरो, लखनऊ : निर्यातक प्रदेशों की श्रेणी में यूपी को पहले स्थान पर लाने के लिए योगी सरकार ने अगले तीन साल में 3 लाख करोड़ रुपये के निर्यात का लक्ष्य रखा है। लक्ष्य पाने के लिए इंजिनियरिंग और खेलकूद सामग्री, रक्षा उपकरण, कृषि प्रसंस्कृत उत्पादों को विशेष प्राथमिकता दी जाएगी। इसके अलावा प्राथमिकता वाले 5 चैंपियन सेवा क्षेत्रों का भी चयन किया गया है। इनमें शिक्षा, पर्यटन, आईटी और आईटीएस, मेडिकल वैल्यू ट्रैवल्स और लॉजिस्टिक शामिल हैं। यह जानकारी एमएसएमई मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने मंगलवार को 15 दिवसीय वर्चुअल ट्रेड फेयर के उद्घाटन के मौके पर कही।

खादी भवन में फेयर का उद्घाटन करते हुए मंत्री ने कहा कि वर्चुअल ट्रेड फेयर से राज्य के उत्पादकों और निर्यातकों को राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के सामने अपनी कला और उत्पादों का प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा। राज्य सरकार ब्रैंड यूपी को प्रोत्साहित करने के लिए निर्माताओं और निर्यातकों को विशेष सुविधाएं मुहैया करवा रही है।

3 साल में 38% बढ़ा यूपी का निर्यात

सिद्धार्थनाथ ने कहा कि पिछले तीन साल

शुरू हुआ 15 दिवसीय वर्चुअल ट्रेड फेयर

में यूपी का निर्यात 38% बढ़कर 84,000 करोड़ से 1.20 लाख करोड़ रुपये हो गया है। भारत के कुल निर्यात में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी 4.55% है। उत्तर प्रदेश से 45% हस्तशिल्प उत्पादों, 39% कालीन और 26% चर्म उत्पादों का निर्यात करता है। अपर मुख्य सचिव (एमएसएमई) नवनीत सहगल ने कहा कि यह ट्रेड फेयर मुख्य रूप से तीन श्रेणियों के उत्पादों के लिए आयोजित किया जा रहा है। 12 मार्च तक टेक्सटाइल और सिले हुए कपड़ों, 15 से 19 मार्च तक कालीन, दरी, चर्म उत्पाद और जूते-चप्पल और 22 से 26 मार्च तक घरेलू और सौंदर्य प्रसाधन से जुड़े उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा। हर राउंड में 100 से अधिक निर्यातक भाग लेंगे।

गाजियाबाद में बनेगा कॉमन सर्विस सेंटर

लखनऊ : एमएसएमई उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए गाजियाबाद में आधुनिक टूलरूम रिसर्च ऐंड डिवेलपमेंट लैब और इंडस्ट्री के लिए कॉमन सर्विस सेंटर बनाया जाएगा। मंगलवार को मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई ओडीओपी की उच्च स्तरीय बैठक में निर्णय लिया गया। बैठक में गौतमबुद्धनगर में टेस्टिंग लैब, चंदौली में जरी प्रोसेसिंग फैसिलिटी, अयोध्या में जैगरी क्रशिंग और बॉइलिंग यूनिट, सीतापुर में डाइंग फैसिलिटी के प्रस्तावों को मंजूरी दे दी गई। बैठक में मुख्य सचिव राजेंद्र कुमार तिवारी ने कहा कि सभी उपायुक्त (उद्योग) उद्यम सारथी ऐप की ज्यादा से ज्यादा जानकारी हस्तकला शिल्पियों को दें।